

इकाई – 6

आपदा और सह-अस्तित्व

आपदा के रूप एवं उसके प्रभाव को कम करने के उपाय

भूकम्प	सुनामी	बाढ़
भूकम्प <ul style="list-style-type: none"> (i) सदैव सतर्क रहना (ii) आपदा किट तैयार रखना (iii) भूकंपरोधी आयताकार भवन बनाना (iv) तकनीकी दृष्टि से सुरक्षित संरचना का निर्माण करना (v) गलियों एवं सड़कों का निर्माण अधिक चौड़ा करना (vi) प्रत्येक मुहल्ले के आसपास पर्याप्त खुली जगह का होना (vii) आपदा राहत बल तैयार रखना 	सुनामी <ul style="list-style-type: none"> (i) तट से दूर निवास क्षेत्र विकसित करना (ii) वृक्षारोपण कार्य करना (iii) कंक्रीट अवरोधक का निर्माण (iv) भूकंप एवं सुनामी अवरोधी मकानों का निर्माण करना (v) सुनामी रिकार्डिंग सेंटर की स्थापना करना (vi) वैकल्पिक संचार माध्यम को तैयार रखना 	बाढ़ <ul style="list-style-type: none"> (i) पूर्वानुमान को मजबूत करना (ii) जलग्रहण संरचनाओं का निर्माण करना (iii) स्तंभ आधारित मकान का निर्माण करना (iv) वृक्षारोपण कार्य करना (v) नदियों के दोनों तटों के सहारे तटबंध का निर्माण मजबूती से करना (vi) नहरों का जाल तैयार करना (vii) खाद्यान्न बैंक का विकास करना
भूस्खलन <ul style="list-style-type: none"> (i) ढलुवाँ स्थान पर मकानों का निर्माण नहीं करना (ii) वृक्षारोपण कार्य करना (iii) संभावित क्षेत्रों में मजबूत दीवारों का निर्माण (iv) जल निकासी की समुचित व्यवस्था करना (v) आपदा राहत बल तैयार रखना 	सुखाड़ <ul style="list-style-type: none"> (viii) मिट्टी नमी आधारित कृषि का विकास करना (ix) जलग्रहण संरचनाओं में जल का भंडार रखना (x) सुखाड़ की स्थिति में मोटा अनाज पैदा करने की व्यवस्था (xi) चारागाह का विकास करना (xii) दुग्ध उद्योग का विकास करना (xiii) मिट्टी में नमी संरक्षण हेतु भूमि पर घास का आवरण रहने देना 	

प्रश्न :

1. सुखाड़ प्रबंधन का वर्णन करें।